an>

Title: Issue regarding pollution in Daman Ganga river in Daman and Diu.

श्री लालूभाई बाबूभाई पटेल (दमन और दीव) : सभापति जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं दमन और दीव से आता हूँ जो छोटा सा प्रदेश है जो मत्स्य उद्योग और पर्यटन पर निर्भर करता है। मेरे प्रदेश में बहती हुई दमनगंगा नदी के निकट बसे गुजरात के वापी शहर से ज़्यादातर औद्योगिक और कैमिकल दूषित पानी इस नदी में निकास करता है। मंत्रालय को मैंने यह भी बताया कि गुजरात प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड ने भी हमारी प्रार्थना नहीं सुनी। वापी के गुजरात इंडस्ट्रियल डैवलपमैंट कार्पोरेशन का ट्रीटमैंट प्लांट भी ढंग से कार्य नहीं कर रहा है। इसका सीधा असर नदी के मत्स्य उद्योग पर पड़ रहा है। नदी में मछलियाँ खत्म हो रही हैं। क्योंकि दमन शहर की यह नदी अरब सागर से मिलती है, इसलिए दरियाई मछली पर इसका बड़ा असर पड़ता है। यह प्रदूषित पानी काला होने के कारण दरिया का पानी भी काले रंग का हो गया है। इसके कारण पर्यटन पर भी गंभीर असर पड़ रहा है।

महोदय, मैं एक और बात से सदन को अवगत कराना चाहता हूँ। दमन में पीने का पानी पहले के दौर में भूमिगत था, लेकिन कुछ अरसे से हमें दमनगंगा नदी पर बने बांध से पानी मिल रहा है जो पर्याप्त नहीं है। इसके चलते हमें अभी भी बोरवैल के पानी पर निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन पिछले काफी समय से यहाँ भी पीने लायक पानी नहीं मिल रहा है।

महोदय, पूर्व दोनों मंत्रियों को मैंने इस बारे में अवगत कराया था, लेकिन पिछले पाँच वर्षों से मेरे संसदीय क्षेत्र में पर्यावरण मंत्रालय ने कोई काम नहीं किया है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री से निवेदन करता हूँ कि अगर मेरे संघ प्रदेश, जो महान भारत का दूसरा सबसे छोटा प्रदेश है, में इतनी पर्यावरण समस्या हो सकती है तो पूरे भारत में कितनी बड़ी समस्या होगी। इस पर गंभीर विचार करके जल्द से जल्द पर्यावरण पर नियंत्रण होना चाहिए। इसके चलते हमें अभी भी पानी पड़ता है। लेकिन काफी समय से यहां भी पानी पीने लायक नहीं रह गया है। मैंने पूर्व मंत्री को इस बारे में अवगत कराया था, लेकिन पिछले पांच वर्ष में मेरे संसदीय क्षेत्र में काम नहीं हुआ है।